

Written by मेरी बटिया संवाददाता  
Monday, 18 June 2018 06:49

: 000000 000 00 0000 00 00 0000 00 0000 00 00 0000-000000, 00 00 000000 00 0000  
0000 000 : 0000 00 0000 00 000000 000000 000000 0000 00 000000 : 000000 00  
000 000000 000000 000 000 0000000000 0000000000 00000 00000 :

0000 000000 0000000000

0000 : डॉ अखलेश दास की मृत्यु के बाद उनके बेटे ने जो अपनी सलतनत में लगा दी झाड़ू, उसमें अखलेश दास के के कई खासमखास का काम  
तमाम हो गया वरिज के इस सच वच्छता अभियान में दास-मंडली का लगभग पूरा सफाई ही हो गया है सबसे बड़ी गाज गरी है, दास के अखबार  
वायस आफ लखनऊ के मुख य सरवे-सर्वा सुशील दुबे वरिज के इस सफाई अभियान के दौरान सुशील बाहर हो गये है

हालांकि यह खबर काफी वल्लिम ब से मल्लि थी उसके बाद सुशील दुबे से सम्पर्क होने में खासा वक्त लग गया फिर सुशील ने वायदा किया कि वे  
अपना पक्ष रखने के लिए वे खुद ही जल्दी ही सम्पर्क करेंगे, लेकिन ऐसा भी नहीं हो पाया आखिरकर प्रमुख न्यूज पोर्टल मेरी बटिया डॉट कॉम  
ने इस खबर को प्रकाशित करने का फैसला कर लिया है

तो पता चला है कि अखलेश दास के अखबार में कछत्र राज करने वाले सुशील दुबे को पूरी बेदरदी के साथ नपिटा दिया गया है कई और भी लोग नकिले  
गए है इस यज्ञ में लेकिन इसमें सुशील दुबे पर इस अखबार के संपादन से लेकर प्रबंधन तक का जम्मा था सुशील की वदिई से पूरे अखबार ही नहीं,  
बल्कि दास-मंडली के बाकी बचे सदस्यों के लिए काफी चौकने वाली रही है

आपको पता दें कि लखनऊ में अपने जीवन की पारी का सहकारी बैकसे शुरू करने वाले अखलेश दास को कांग्रेस ने लखनऊ में मेयर की कुर्सी अता फरमायी  
थी इसी बाद से कांग्रेस के कई सभासदों से दास की करीबी हुई दास लगातार आगे बढ़ते रहे, हालांकि उनके सहकारी बैक की हालत लगातार पतली ही होती  
रही

00 00 00 000 0000 00 000000 0000 00 000000 000000 00 000000 000000 00 0000 00 000000 00  
000 0000 00 000000 000000 00 000000 0000 000000000 0000 0000 00 000000 00 000000 0000  
00000000 0000, 00 000000 00000000 00000 00 000000 00000000 :-'

[00000000 000000 0000 00 00000000 0000 00000 00000 : 000000000 -0 -0000000000](#)

अखलेश दास की टीम में सुशील दुबे वगैरह लोग शुरू से भी शामिल थे उनके चुनाव के लिए इन सब लोगों ने प्लानिंग की मसलन, होली पर मठाई,  
रंग, ईद और दीपावली में कजू की बर्फी और करवा चौथ पर पूरा झमाझम पैकेज पूरे शहर के हर घर-घर तक पहुंचाने में इन्हीं लोगों की सोच का नतीजा था

Written by मेरी बटिया संवाददाता  
Monday, 18 June 2018 06:49

---

लेकिन यह योजना फेल हो गई और अखलिश दास धड़ाम से गरि चुके मगर दास-मंडली बनी ही रही

मगर अब वरिज ने दास की मृत्यु के बाद से पूरे संस्थान में सफाई कार्यक्रम छोड़ कर दिया अब सुशील दुबे की जगह अब दस्तरखान पर मौजूद है रामेश्वर पांडे रामेश्वर पांडेय उर्फ कक दैनिक जागरण के प्रदेश संपादक पद से हटने के बाद कुछ दिनों उन्होंने जनसत्तान् यूज डॉट कॉम में काम कर चुके हैं

चलते-चलते आपको बता दें कि दास-मंडली को अपने इस अवसान का इलहाम पहले ही हो गया था करीब चार महीना पहले ही सुशील दुबे ने पत्रकारों के कनवजात संगठन के बैनर पर वरिज दास को मंच पर बैठा कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने की कोशिश की थी इस समारोह में कई पत्रकारों को सम्मानित करते हुए यह संदेश दिया गया था कि सुशील की पकड़ पत्रकारों में खासी है लेकिन वरिज ने इस सब को खारजि कर दिया और साबित कर दिया कि वे वरिज हैं, अखलिश दास नहीं वैसे दास-मंडली के कसदस् य ने मेरीबटिया डॉट कॉम को बताया कि दास-मंडली को भंग कराने का पैसला वरिज का नहीं, बल्कि वरिज की मां का है खैर, इस बारे में जानकारी देने के लिए न तो सुशील मुंह खोल रहे हैं, और न ही दास परिवार से कोई सम्पर्क ही हो पा रहा है

000000000000 00 000000 000000 00 000000 00 0000 0000000 00000 00 000000 000000 :-

[00000000 000000000000](#)